Date-20-5-2020 S.J.N. Public School class-7

Sub- Hindi मो.- 9026647258

प्रकरण - वर्ण विचार [redacted] [redacted]

भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके और अधिक टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

वर्णमाला :=> वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं।

=> हिन्दी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण होते हैं।

वर्णों के भेद

हिन्दी भाषा में वर्णों के दो भेद होते हैं - 1- स्वर 2- व्यंजन

स्वर => स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते हैं। हिन्दी वर्णमाला में इनकी संख्या 11 है।

स्वरों के भेद => स्वरों के तीन भेद होते हैं। - 1 ह्रस्व स्वर 2 दीर्घ स्वर 3 प्लुत स्वर

ह्रस्व स्वर => वे स्वर जिनके उच्चारण में बहुत कम समय लगता है उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं, जैसे - अ, इ, उ।

दीर्घ स्वर => वे स्वर जिनके उच्चारण में ह्रस्व से अधिक समय लगता है उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं, जैसे — आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऑ

प्लुत स्वर => वे स्वर जिनके उच्चारण में ह्रस्व स्वरों की अपेक्षा तीन गुना समय लगता है उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं। जैसे — ओऽम, राऽऽम

अयोगवाह => वे वर्ण जो न तो स्वर हैं और न ही व्यंजन अयोगवाह कहलाते हैं। हिन्दी भाषा में मुख्य रूप से तीन अयोगवाह हैं -

(1) अनुस्वार => अं को अनुस्वार कहते हैं। - मंदिर, बंदर

(2) अनुनासिक => अँ को अनुनासिक कहते हैं - साँप, बाँस

(3) विसर्ग = अः को विसर्ग कहते हैं। - अतः, प्रातः

गृह कार्य => हिन्दी स्वरों के विषय में पूर्ण रूप से अध्ययन करें।